NT>

Title: Need for effective implementation of centrally sponsored schemes in Madhya Pradesh for providing relief to the people affected by drought in the State − Laid.

श्री रामानन्द सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के अनेक जिले सूखे एवं अकाल की मार झेल रहे हैं। प्रदेश के सर्वाधिक सूखा प्रभावित जिले सतना, रीवा, सीधी, शहडोल, कटनी एवं पन्ना जिलों में खरीफ फसल 90 प्रतिशत से ज्यादा सूख गई है। रबी की फसल आने में छः महीने लगेंगे। ग्रामीण जनता को अभी तक प्रदेश सरकार द्वारा कोई राहत प्रदान नहीं की जा रही है। लोग काम की तलाश में पलायन कर रहे हैं। काम के बदले अनाज योजना कहीं भी चल नहीं रही। भारत सरकार की अन्त्योदय योजना एवं अन्नपूर्णा योजना का भी यही हाल है। सर्वाधिक सूखा प्रभावित विन्ध्य भू-भाग की सूखा एवं अकाल की स्थिति भयावह है। ऐसी स्थिति में पहाडी क्षेत्रों की गरीब जनता भूखों मरने के कगार पर है।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि प्रदेश में सूखे एवं अकाल की स्थिति का सामना करने के लिए आवश्यक कदम उठायें तथा राज्य में केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करें।